>

Title: Regarding reported illegal migration of Madhesis from Nepal to the bordering districts of India.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। नेपाल की हाल की घटनाओं के मद्देनजर तराई क्षेत्र से मधेशियों का पलायन शुरू हो गया है। मधेशी बहुत दहशत में हैं। ये मधेशी भरत वंश मूल के हैं और खासतौर पर अवध प्रांत के रहने वाले हैं। उन पर जुल्म और अत्याचार वहां माओवादियों द्वारा ढाया जा रहा है। आज देश की सीमावर्ती जिले में मधेशियों का जमावड़ा भारी संख्या में हो रहा है। लगभग चालीस हजार मधेशी भारतीय सेना की शरण में आ चुके हैं। यह भारत के लिए चिंता का विषय है। भारत के लिए यह मुश्किलें भी पैदा करने वाली बात है। मैं भारत सरकार से कहना चाहूंगा कि नेपाल के मामले में यदि भारत सरकार ने दखल नहीं दिया, तो सीमावर्ती भारतीय क्षेत्र नेपाली नागरिकों की शरणस्थली बन जाएंगे। इसका ताजा उदाहरण है कि अभी बलरामपुर स्टेशन पर और सिद्धार्थनगर जिले में जिलाधिकारी के समक्ष शरणार्थियों ने धरना-प्रदर्शन किया और उन्होंने यह मांग की कि हमें शरणार्थी घोषित करते हुए मूलभूत सुविधाएं दी जाएं। यह भारत की आंतरिक सुरक्षा का भी सवाल है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि इस मामले में भारत सरकार दखल करे, मधेशियों की सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करे और नेपाल में शांति व्यवस्था कायम करने की पहल करे, यह मैं भारत से मैं मांग करता हूं।